नईदुनिया

रंगों से सराबोर हुई राजधानी, निकले जुलूस, सोमवारा में 6 टैंकरों से रंगों की बौछार

राजधानी में शनिवार को भवानी चौक से हिन्दू उत्सव समिति द्वारा रंगपंचमी चल समारोह निकाला गया।

रंगपंचमी पर शहर में गेर, भूत-पिशाच बने हुरियारे

भोपाल (काप्र)।

भोपाल शहर शनिवार को रंगपंचमी पर रंग-गुलाल की बौछारों से सराबोर रहा। पुराने शहर के सुभाष चौक, बरखेड़ी और नए भोपाल में शाहपुरा से गेर निकाली गई।

संत नगर, भेल और कोलार में भी हुरियारों की टोली ने धूमधाम से रंगपंचमी मनाई। मुख्य और बड़ा आयोजन चौक बाजार पर हुआ। यहां लोग जमा हुए और सुबह 10 बजे गेर की शुरुआत हुई। गेर का इस बार 68वां आयोजन है। हुरियारे भूत - पिशाच बनकर गेर में शामिल हुए हैं। सोमवारा में गेर के पहुंचते ही 6 टैंकरों से रंग बरसाया गया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी इस जश्न में शामिल हुए। श्री हिंदू उत्सव समिति के चल समारोह संयोजक देवेंद्र सिंह बना ने बताया कि गेर लोहा बाजार, छोटा भैय्या कॉर्नर, जनकपुरी, सिंधी मार्केट, भवानी चौक, लखेरापुरा, पीपल चौक, चिंता मन चौराहा, इतवारा चौराहा से होकर जैन मंदिर रोड, मंगलवारा, गणपति चौक, घोड़ा नक्कास होते हुए हनुमान जी की मढिया़ पर समाप्त हुई।

ब्रज की होली की झांकी, दुल-दुल घोड़ी: गेर में शिव पार्वती, राधा कृष्ण और ब्रज होली की झांकी खास रही। ढोल-ताशे, डीजे, दुल-दुल घोड़ी, ऊंट, घोड़े, फूल गुलाल उड़ाने वाली मशीन के साथ नृत्य मंडली के साथ गेर निकाली गई। समाजसेवी प्रमोद नेमा ने बताया कि भोपाल सर्राफा के व्यापारी 1956 में इंदौर गए थे। वहां पर रंग पंचमी की गेर देखने के बाद उन्होंने भोपाल में भी ऐसा ही जुलूस निकालने का मन बनाया। जब वे लौटे तो सबसे पहले चौक बाजार से रंग पंचमी का जुलूस प्रारंभ कराया। यह 4 साल तक चला। भीड़ बढऩे लगी तो हिंदू उत्सव समिति के संस्थापक उद्धव दास मेहता से जुलूस की व्यवस्था संभालने का निवेदन किया। इसके बाद अगले साल 1960 में पहली बार हिंदू उत्सव समिति के बैनर तले रंगपंचमी का जुलूस निकाला गया। उस दौर में जुलूस चौक बाजार से प्रारंभ होकर लोहा बाजार, जुमेराती, सोमवारा, लखेरापुरा से होता हुआ हनुमान गंज स्थित हनुमान जी की मडिया़ पर खत्म होता था। आज भी इसी रूट को फॉलो किया जाता है।

भारत निर्वाचन आयोग ने जारी की अधिसूचना

एग्जिट पोल 19 अप्रैल से एक जून तक पूर्णतः प्रतिबंधितः राजन

भोपाल (काप्र)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

मुख्यमंत्री आज उमरिया, डिंडोरी मंडला एवं सिवनी प्रवास पर

भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31 मार्च को उमरिया, डिंडोरी, मंडला एवं सिवनी प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

डॉ. मोहन यादव दोपहर प्रात: 11 बजे जिला उमरिया में कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। जिसके पश्चात दोपहर 12 बजे जिला डिंडोरी में जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 1.30 बजे मंडला में जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 3 बजे जिला सिवनी के लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में रोड शो एवं आमसभा करेंगे। मुख्यमंत्री शाम 5.15 बजे जबलपुर से भोपाल रवाना होंगे। शाम 7.30 बजे भोपाल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इण्डस्ट्री के होली मिलन समारोह में सम्मिलित होंगे।

मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी पटाखा फैक्ट्री की अनुमति लेना अनिवार्य

भोपाल (काप्र)। पटाखा निर्माण करने वालों को अब मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी लाइसेंस और अनुमतियां लेना होगी। बिना विभाग की अनुमति के पटाखों का निर्माण करने वाली फैक्ट्रियों को सील किया जाएगा। केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश के बाद इंदौर जिले की 13 फैक्ट्रियों को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नोटिस जारी किए हैं। इंदौर के अलावा राऊ और महू के गावों में फैक्ट्रियां संचालित हो रही हैं। परिवार कल्याण विभाग से 14 फैक्ट्रियों की सूची इंदौर जिले में मिली थी, लेकिन एक फैक्ट्री पहले से बंद होने के चलते 13 को नोटिस जारी किए गए हैं। बोर्ड के वैज्ञानिक संजय जैन ने बताया, फिलहाल नोटिस जारी किए गए हैं, जल्द ही सभी का निरीक्षण भी किया जाएगा। तय मानकों और सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध होने के बाद ही फैक्ट्रियों को लाइसेंस दिए जाएंगे।

प्रथम चरण के 6 लोकसभा क्षेत्र में 88 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में

19 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र वापस लिए

भोपाल (काप्र)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार पहले चरण के लिये भरे गये नाम निर्देशन पत्रों की वापसी के बाद 88 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। नाम वापस लेने के अंतिम दिन शनिवार को 19 अभ्यर्थियों ने अपने नाम निर्देशन पत्र वापस ले लिए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया है कि 30 मार्च को नाम निर्देशन पत्रों की वापसी उपरांत अब लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-11 सीधी में 17 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-12 शहडोल (अजजा) में 10, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र-13 जबलपुर में 19 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र-14 मंडला (अजजा) में 14 अभ्यर्थी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-15 बालाघाट में 13 अभ्यर्थी एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-16 छिन्दवाड़ा में 15 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। इन अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक पर देखी जा सकती हैं। पहले चरण के लिए शुक्रवार, 19 अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना 4 जून को होगी। उल्लेखनीय है कि संसदीय क्षेत्र सीधी में 3, जबलपुर में 2, मंडला में 2, बालाघाट में 4 और छिंदवाड़ा में 8 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र वापस लिये हैं।

दूसरे चरण के लिए 7 अभ्यर्थियों ने भरा नाम निर्देशन पत्र

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण के लिये नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है। दूसरे चरण में शनिवार को 7 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किये। अब तक 8 अभ्यर्थी नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर चुके हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक पर देखी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल है। इसके अगले दिन 5 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र भर चुके प्रत्याशी 8 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा। सभी चरणों के मतदान की मतगणना 4 जून को होगी।

अप्रैल-मई में झुलसा सकते हैं लू के थपेड़े

मौसम विभाग की चेतावनी: आने वाले महीनों में सामान्य से ऊपर रहेगा तापमान

भोपाल (काप्र)। इन दिनों मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। जिसे देखते हुए कहा जा रहा है कि उत्तर भारत ही नहीं मध्य उत्तर भारत में भी गर्म हवाओं के थपेड़े चलने वाले हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बड़ी भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा है कि आने वाले महीनों में तापमान सामान्य से ऊपर जा सकता है। इतना ही नहीं, अप्रैल और मई के महीनों में लू चलने की संभावना है। वहीं, आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में आज भारी बारिश का अनुमान है। आईएमडी ने कहा कि अगले कुछ दिनों में दिल्ली में बहुत हल्की बारिश होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि अप्रैल और मई के महीने में सामान्य से अधिक तापमान रहने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी से कोई सटीक पूर्वानुमान कर पाना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि तापमान अधिक होने से आगामी महीनों में लू जैसी स्थिति बनने की भी संभावना है। उन्होंने कहा कि अप्रैल में देश के मध्य भाग में लू की स्थिति बन सकती है। मई सबसे गर्म रहने वाला है और उत्तर पश्चिम के साथ ही मध्य भारत में लू चलने की भी तीव्र संभावना है। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रह सकता है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने आने वाले कुछ दिनों के लिए भी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है जो आज से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय उत्तर पश्चिम भारत में तापमान असामान्य है। चूंकि पश्चिमी विक्षोभ इस क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है ऐसे में तापमान धीरे-धीरे गिरेगा, इसलिए यह थोड़ा आरामदायक हो जाएगा। पूर्वानुमान जताते हुए आईएमडी के वैज्ञानिक ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में लू या गर्म रोशनी की स्थिति बनी हुई है। अगले दो दिनों तक मध्य प्रदेश में लू की स्थिति रहेगी। खास तौर पर विशेष रूप से मध्य भारत में मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग अनुसार, उत्तर पश्चिम भारत में 31 मार्च को आंधी-तूफान के साथ ही बारिश होने की संभावना है। 30 मार्च को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भी अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है।

जन्मजात बीमारी से ग्रस्त महिला का सफल इलाज

भोपाल (काप्र)।

एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह के निर्देशन में डाक्टरों की टीम ने 68 साल से जन्मजात बीमारी से ग्रस्त एक महिला का सफल ऑपरेशन कर जीवनदान दिया। दरअसल गोरखपुर की रहने वाली एक महिला जन्मजात डायाफ्रामिक हर्निया (सीडीएच) बीमारी से ग्रस्त थी। यह बीमारी डायाफ्राम के असामान्य विकास के कारण होती है। जहां डायाफ्राम (बड़ी मांसपेशी जो छाती को पेट से अलग करती है) में एक छेद होता है। पेट के अंग (जैसे आंत, पेट और यकृत) डायाफ्राम में छेद के माध्यम से और ऊपर की ओर छाती में चले जाते हैं। और उस स्थान पर कब्जा कर लेते हैं जहां उनके फेफड़े होने चाहिए। जिसके कारण सांस लेने में बहुत परेशानी होती है। यह महिला पिछले 7 -8 सालों से सीधे लेट भी नहीं पा रही थी। उत्तर प्रदेश के कई अस्पतालों में दिखाने के बाद वो एम्स भोपाल की सीटीवीएस ओपीडी में आयी। महिला की अच्छी प्रकार जांच करने पर उसे जन्मजात बीमारी सीडीएच से ग्रस्त पाया गया और उसका ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया । डॉ योगेश निवारिया के नेतृत्व में कार्डियक सर्जन, जनरल सर्जन और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की एक टीम ने मरीज की सर्जरी को अंजाम दिया। यह ऑपरेशन 4 घंटे तक चला । ऑपरेशन में कई चुनौतियाँ थीं, क्योंकि मरीज का बायाँ फेफड़ा जन्म से ही दबा हुआ था, आंतें फेफड़े, हृदय और प्रमुख धमनियों और नसों जैसे महत्वपूर्ण अंगों से चिपकी हुई थीं। प्रक्रिया के दौरान आस-पास की आंत में चोट लगने का काफी जोखिम था।

कांग्रेस प्रत्याशी वोट के साथ मांग रहे हैं नोट, वीडियो हुआ वायरल

भोपाल (काप्र)।

जबलपुर लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने है। भारतीय जनता पार्टी से आशीष दुबे मैदान में है तो कांग्रेस ने पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश यादव को टिकट दी है। दोनों ही पार्टियां चुनाव प्रचार में जुट चुकी है। जबलपुर लोकसभा के लिए चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश यादव का एक विडियो सामने आया है, जिसमें वो वोट के साथ-साथ नोट भी मांग रहे है।

कांग्रेस प्रत्याशी का कहना है कि केंद्र सरकार ने ईडी के माध्यम से कांग्रेस के अकाउंट सीज करवा दिए है, जिस वजह से चुनाव लडऩे के लिए पैसा नहीं है, यही वजह है कि कांग्रेस प्रत्याशी वोट के साथ नोट भी मांग रहे है।

कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश यादव अपने चंद कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी प्रचार में जुटे हुए है। वो जबलपुर की जनता से नोट और वोट दोनों मांग रहे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी के इस तरह प्रचार करने से लोग सहम भी रहे है, तो उनकी मदद भी कर रहे है। कांग्रेस प्रत्याशी जनता का पैर छूने के बाद कांग्रेस का पोस्टर देते है और हाथ जोडक़र उनसे दस रुपए भी मांग रहे है। दिनेश यादव का कहना है कि जिस पार्टी के खिलाफ वो चुनाव लड़ रहे है, उनके पास खूब पैसा है, पर हमारी पार्टी के खातों को ईडी ने फ्रीज कर दिया है, जिस वजह से चुनाव लडऩे के लिए पैसे नहीं है। कांग्रेस प्रत्याशी सभी से 10-10 रुपए मांग रहे है।

दिनेश यादव का कहना है कि ये कोई चुनावी स्टंट नहीं है बल्कि हकीकत है। मेरे पास इतने पैसे नहीं है कि चुनाव में खूब प्रचार-प्रसार करू, मैं कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ-साथ एक छोटा सा व्यापारी हूं। मेरे पास पैसे नहीं है, इसलिए जबलपुर के मतदाताओं से हाथ जोडक़र 10 रुपए मांग रहा हूं, क्योंकि जनता से लिए 10-10 रुपए ही मुझे चुनाव जीताएंगे। दिनेश यादव के इस तरह से पैसे मांगते देख लोग सहज स्वीकार भी कर रहे है, साथ ही खुशी-खुशी अपनी जेब से निकालकर उन्हें रुपए दे रहे है। कुछ ऐसे भी लोग है जो कि 10 रुपए की जगह 50 और 100 रुपए भी दे रहे है। कांग्रेस प्रत्याशी के इस तरह से जनता के बीच जाकर 10-10 रुपए मांगने को भारतीय जनता पार्टी चुनावी स्टंट मान रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आशीष दुबे का कहना है कि उन्हें पता है कि वो चुनाव हार रहे है, इस वजह से अपना और पार्टी का पैसा खर्च नहीं करना चाहते है। उन्होंने कहा कि जनता से मांगा हुआ पैसा चुनाव में दिनेश यादव बर्बाद कर रहे है।

गुना प्रत्याशी घोषित, खंडवा सीट के बदले समीकरण

भोपाल (काप्र)। कांग्रेस ने गुना सीट पर भाजपा उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया के सामने यादवेंद्र सिंह को टिकट दिया है। पहले यह चर्चा थी कि अरूण यादव को सिंधिया के सामने चुनाव लड़ाया जा सकता है। गुना लोकसभा सीट की तस्वीर साफ होने के बाद अब अरुण यादव को खंडवा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

ग्वालियर और मुरैना सीट के अलावा खंडवा सीट को भी कांग्रेस ने होल्ड पर रखा है। यादव खुद खंडवा से लडऩा नहीं चाहते है,लेकिन हाईकमान की पंसद अरुण है। सुरेंद्र सिंह शेरा और राजनारायण पुरनी भी खंडवा लोकसभा सीट से दावेदार है। हाईकमान अरुण यादव को लोकसभा चुनाव में आगे कर ओबीसी कार्ड खेलना चाहते है। वे दो बार सांसद और केंद्रीय मंत्री भी रह चुके है।भाजपा ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के वोटबैंक को साधने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। इसलिए कांग्रेस भी अरुण यादव को महत्व दे रही है, लेकिन यादव अपने समर्थक पूनम पटेल को टिकट दिलाना चाहते है। पटेल गुर्जर समाज से आते है। गुर्जर समाज का खंडवा लोकसभा सीट में अच्छा खासा वोटबैंक है। भाजपा सांसद नंदकुमार चौहान की मौत के बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस चाहती थी कि अरुण कांग्रेस उम्मीदवार बने, लेकिन उन्होंने तब चुनाव लडऩे से इनकार कर दिया था। अरुण यादव की गिनती निमाड़ के बड़े नेताओं में होती है, लेकिन वे लोकसभा के अलावा विस चुनाव भी निमाड़ की किसी सीट से नहीं लडऩा चाहते है।